पत्रकारों को नहीं खोना चाहिये विवेक

मीडिया संगोष्ठी का आयोजन

रतलाम। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय और मूल्यानुगत मीडिया अभिक्रम समिति के संयुक्त तत्वाधान में 'मूल्यधारक समाज के निर्माण के लिये मीडिया की भूमिका' विषय पर डोंगरे सेवाकेंद्र पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसे सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार जयकृष्ण गौड ने कहा कि आज जीवन में मूल्यों का ह्रास हो रहा है। आज पत्रकारिता अपने उद्देश्य और लक्ष्य से भटक गयी है। परिवर्तन करना अच्छी बात है लेकिन शाश्वत् मूल्यों में बदलाव न करें। आज आवश्यकता है कि पत्रकार स्वयं आचार संहिता बनाये और उसका पालन करें। उन्होंने कहा कि पत्रकार को किसी भी परिस्थिति में अपना विवेक नहीं खोना चाहिए और समाज हित में तत्पर रहना चाहिए।

वरिष्ठ पत्रकार प्रो.कमल दीक्षित ने कहा कि पत्रकार की दृष्टि व विचार महत्वपूर्ण होते हैं। समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिये पत्रकारिता के माध्यम से कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि खबर कभी भी चलकर नहीं आती है, चलकर तो पब्लिसिटी आती है।

इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में पत्रकारिता व जनसंचार विभाग के अधक्ष डॉ. मानसिंह परमार ने कहा कि आजादी के पहले की पत्रकारिता ने मूल्यनिष्ठ समाज का निर्माण किया है। लेकिन आजादी के बाद मीडिया दिशाहीन होकर भटक गया। समाज में हर दिन मूल्यों का ह्रास हो रहा है। पत्रकारिता के साथ-साथ समाज में गिटावट आई है। पत्रकारिता का मुख्य उद्देश पाठकों को सूचना, शिक्षा और मनोरंजन देना है, ताकि समाज में मूल्य स्थापित हो सके। मीडिया में साम्राज्यवाद की शुरुआत हो चुकी है। जो कि ठीक नहीं है। ब्र.कु.हेमलता बहन ने कहा कि आज ऐसी पत्रकारिता की जरुरत है कि जो समाज में मूल्यनिष्ठ हो। पत्रकारिता में पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव नजर आ रहा है। आज समाज में चरित्र निर्माण व नैतिक निर्माण की लहर उठनी चाहिये। पत्रकारों को विपरीत वातावरण में नैतिकता को धारण करना चाहिये।

संगोष्ठी में पत्रकार शरद जोशी, श्रेणिक बाफना, ऋषि कुमार शर्मा सहित अन्य ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि पत्रकारों की हर दौर व काल में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पत्रकारों ने सदैव चेतना जागृत की है और समाज की भलाई के लिये कार्य किया है। वर्तमान समय सूचनाओं के विस्फोट का समय है। संगोष्ठी का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस संगोष्ठी में श्री जोशी, श्री शर्मा, विनोद संघवी सहित अनेक गणमान्य लोगों ने भाग लिया। ब्र.कु.आरती ने विश्व विद्यालय का परिचय दिया, स्वागत भाषण ब्र.कु.सविता ने दिया, मंच का कुशल संचालन नारायण जोशी ने किया और आभार प्रदर्शन ब्र.कु.अनिता ने किया।

नारी शक्ति का प्रतीक - ब्र.कु.मंजू

इन्दौर (प्रेम नगर)। महापौर कृष्ण मुरारी मोघे जी, गुरुद्वारा प्रधान सुरजीत सिंह भाटीया एवं पार्षद सुरजीत सिंह टुटेजा को शिवजयंती कार्यक्रम के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.शशी बहन

इन्दौर। डेल्ही कॉलेज मे छात्राओं को गेहन शान्ति का अनुभव कराती डॉ.जमीला बहन

पालदा। शिवजयंती पर झांकी का उद्घाटन करते उद्योगपती गिरधारीलाल, दिलीप अग्रवाल,ब्र.कु.सुमीत्रा बहन

विलासपुर- जीवन एक खेल है इसे हंसते-हंसते खेलें और जीवन में आने वाली हर परिस्थितियों का सामना मुस्कुराते हुए करें।नारी तो शक्ति की यादगार हैं अष्टशक्ति स्वरुपा हैं। देवी माँ को अष्ट भुजाओं के आठ अलंकार शंख, गदा, चक्र, पद्म, त्रिशुल, तीर-कमान, तलवार और वरदानी हाथ नारियों की शक्ति के ही यादगार हैं। कुमकुम लगाना आत्मा की स्मृति दिलाता हैं।

ये बातें टिकरापारा स्थित सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु.मंजू ने चैत्र नववर्ष पर केन्द्र में आयोजित हल्दी-कुमकुम पर्व पर एकत्रित हुई महिलाओं के समक्ष कही। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश बताते हुए कहा कि इस धरती पर परमात्मा के अवतरण का संदेश देना एवं पर्व के आध्यात्मिक पहलुओं पर प्रकाश डालना था। शंख ज्ञान का, गदा विकारों से लड़ने का, चक्र स्वयं के अस्तित्व को जानने का, कमल पवित्रता का, त्रिशुल तीन प्रकार के शुलों शारीरिक-आर्थिक- सामाजिक एवं तीन प्रकार के विनाश का, तीर कमान अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का, तलवार शक्ति का एवं वरदानी हाथ देवताई स्वरुप का यादगार है। उन्होंने इस पर्व पर आम, इमली, गुड़ और नीम पत्तों से बनी चटनी की यथार्थता बताते हुए कहा कि जीवन आम, इमली जैसे खट्टेपन और नीम जैसे कडवाहट होने के बावजुद उसमें अपने गुड जैसे मीठे व्यवहार से, मीठे बोल से रिश्तों में मीठास लाए। इस दिन परमात्मा ने ब्रह्मा द्वारा नई सृष्टि की रचना की थी, यह आज के समय का ही यादगार है। सभी शहरवासियों को ईश्वरीय संदेश देते हुए उन्होने कहा कि स्वयं परमपिता परमात्मा हमें ऐसा कर्म करना सिखला रहें हैं जिससे कि हम उस स्वर्ग, सतयुगी रामराज में जाने के लायक बन सकें जहां धरती सुख, शान्ति, प्रेम, पावनता की माला पहने होगी। इस अवसर पर बहन स्नेहल सगदेव ने माँ भवानी पर मराठी गीत ''**माय भवानी तुझे लेकरु कुशीत तुझीया येई सेवा मानुच घे आई**'' गाया तथा नव वर्ष पर अपने वक्तव्य दिए। देवी माँ के चैतन्य रुप में कु. एकता विरजित थी। कु.गौरी, अपेक्षा एवं समृद्धि ने भविष्य के भारत की बहुत सुंदर महिमा के गीत ''भारत फिर भरपूर बनेगा...'' पर नृत्य प्रस्तुत किया। अंत में सभी ने हल्दी, कुमकुम का रस्म पूर्ण किया। सभी महिलायें प्रेरणात्मक उद्बोधन सुनकर उमंग उत्साह में भर गई।